प्रेस विज्ञप्ति

23/01/2022

आज गुरु श्री गोरक्षनाथ रक्त कोष में आजाद भारत के प्रथम प्रधानमंत्री नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी के जन्म जयंती के पावन शुभ अवसर पर एक बृहद रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चिकित्सालय के निदेशक मेजर जनरल डॉ अतुल बाजपेई जी ने श्री सुभाष चंद्र बोस जी की के पुष्प चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर माल्यार्पण अर्पित किया एवं दीप प्रज्वलित किये।

चिकित्सालय के निदेशक महोदय ने नेताजी के बारे में आगे बताया कि नेताजी सुभाष चंद्र बोस का जन्म उड़ीसा के कटक क्षेत्र में 23 जनवरी 1897 को हुआ। उनकी माता जी प्रभावती देवी के 14 बच्चों में नेता जी 9 वीं संतान थे। नेताजी के पिता जानकीनाथ बोस कटक के एक मशहूर सरकारी वकील थे। नेताजी बी०ए० की परीक्षा कलकत्ता विश्वविद्यालय से प्रथम श्रेणी से पास किये।

मेजर साहब ने आगे बताया कि नेताजी का प्रमुख नारा 'तुम मुझे खून दो, मैं तुम्हें आजादी दूंगा' और 'जय हिंद' जैसे प्रसिद्ध नारे दिए. स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सुभाष चंद्र बोष जी की जयंती हर साल 23 जनवरी को मनाई जाती है. सुभाष चंद्र बोस को 'नेताजी' के नाम से भी जाना जाता है.

इस अवसर पर उपस्थित ब्लड बैंक के प्रभारी एवं उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अवधेश अग्रवाल जी ने भी नेताजी की अतुलनीय साहस, तथा अनंत देश प्रेम के बारे में प्रकाश डाला

उन्होंने बताया कि असहयोग आंदोलन में भी उनकी भागीदारी रही थी और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) के एक जाने-माने नेता थे.

नेताजी को भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनके खास योगदान के लिए जाना जाता है. नेताजी के राष्ट्रवादी विचारों और उनकी आक्रामक रणनीतियों के चलते अंग्रेजों के खिलाफ आजादी की लड़ाई के दौरान वे भारतीयों के बीच नायक बन गए

थे. स्वतंत्रता सेनानी नेताजी सुभाष चंद्र बोस की इस बार 125 वीं जयंती मनाई जाएगी. उनके जन्मदिन को पराक्रम दिवस के रूप में मनाया जाता है.

उन्होंने आगे बताया कि नेता जी कहते थे मैं संकट एवं विपदाओं से भयभीत नहीं होता. संकटपूर्ण दिन आने पर भी मैं भागूँगा नहीं, वरन आगे बढकर कष्टों को सहन करूँगा। मुझमे जन्मजात प्रतिभा तो नहीं थी, परन्तु कठोर परिश्रम से बचने की प्रवृति मुझमे कभी नहीं रही।

इस अवसर पर उपस्थित चिकित्सालय के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ सी एम सिन्हा जी ने भी भारत के महान नायक तथा एक सच्चे नेता जिन्होंने अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिए और जिनकी अथक प्रयासों से अंग्रेजों को भारत छोड़कर मजबूरन भागना पड़ा ऐसे महान व्यक्तित्व की जीवन पर उन्होंने भी प्रकाश डाला उन्होंने बताया कि भावना के बिना चिंतन असंभव है, यदि हमारे पास केवल भावना की पूंजी है तो चिंतन कभी भी फलदायक नहीं हो सकता. बहुत सारे लोग आवश्यकता से अधिक भावुक होते हैं, परन्तु वह कुछ सोचना नहीं चाहते। मुझे यह नहीं मालूम की, स्वतंत्रता के इस युद्ध में हममे से कौन कौन जीवित बचेंगे. परन्तु में यह जानता हूँ, अंत में विजय हमारी ही होगी।

इस अवसर पर उपस्थित ब्लड बैंक अधिकारी डॉक्टर ममता जयसवाल जी ने रक्तदाताओं को रक्तदान से संबंधित आवश्यक जानकारियां एवं सावधानियों के बारे में विस्तार से अवगत कराया, उनकी उपस्थिति से रक्त दाताओं में भारी उत्साह वर्धन हुआ तथा नगर के भारी रक्तदाता तथा गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

वैश्विक महामारी कोरोनावायरस को देखते हुए आवश्यक सावधानियां जैसे कि मास्क, हैंड सैनिटाइजर, सामाजिक दूरी इत्यादि का कड़ाई से अनुपालन किया गया।

ब्लड बैंक कर्मचारियों का इस रक्तदान शिविर के आयोजन में विशेष योगदान रहा।

इस रक्तदान शिविर में कुल अभिनव, सिद्धार्थ श्रीवास्तव, आनंद कुमार, धीरज, महेश्वर किशोर सहित कुल 40 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया सभी रक्तदाताओं को सम्मान पत्र, चाबी रिंग, एवं अन्य उपहारों से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के अंत में चिकित्सालय के अपर निदेशक डॉ कामेश्वर सिंह जी ने कहा नेताजी को हमारा शत-शत नमन, जय हिन्द! जय भारत! भारत माता की जय!उपस्थित रक्तदाता गण, चिकित्सालय के चिकित्सक गण, अधिकारी गण, कर्मचारी गण तथा नगर अन्य गणमान्य व्यक्तियों के प्रति अपनी शुभकामनाएं प्रेषित किए एवं उनके प्रति अपने हृदय से आभार प्रकट किया।